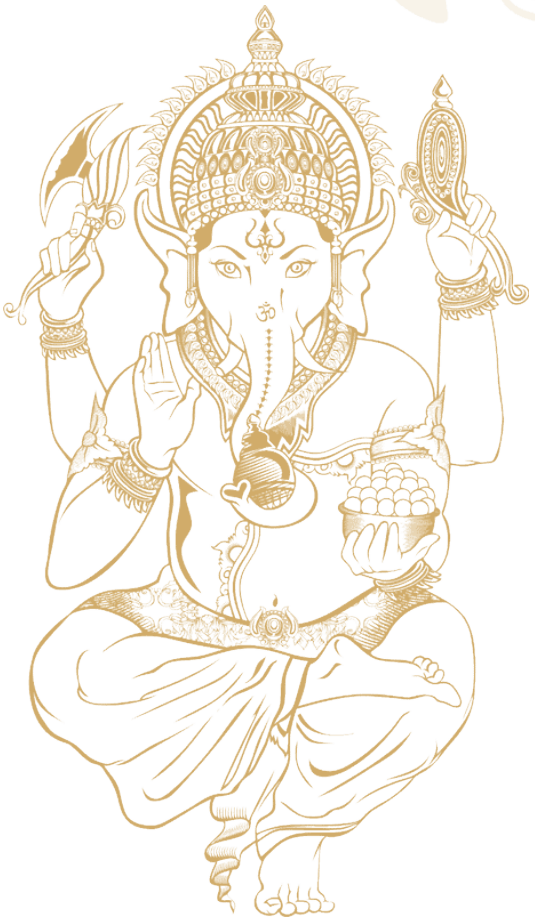

Manoj

18 Aug 1974

08:15 AM

Bulandshahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121869003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/08/1974**
दिन	रविवार
जन्म समय	**08:15:00 घंटे**
इष्ट	06:03:58 घटी
स्थान	**Bulandshahr**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:30:00 उत्तर
रेखांश	77:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:56:16 घंटे
वेलान्तर	-00:03:55 घंटे
साम्पातिक काल	05:40:37 घंटे
सूर्योदय	05:49:24 घंटे
सूर्यास्त	18:55:25 घंटे
दिनमान	13:06:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:17:11 सिंह
लग्न के अंश	02:13:16 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	परिघ
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मी-मीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	02:13:16	318:20:44	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
सूर्य			सिंह	01:17:11	00:57:44	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			सिंह	05:53:05	15:13:59	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	20:03:04	00:38:04	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	सिंह	02:00:37	02:00:03	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	21:44:52	00:06:57	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
शुक्र			कर्क	10:18:16	01:13:17	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			मिथु	20:48:58	00:06:35	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	23:27:56	00:09:33	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	23:27:56	00:09:33	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	सम राशि
हर्ष			तुला	01:05:41	00:02:19	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
नेप	व		वृश्चि	13:20:19	00:00:02	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
प्लूटो			कन्या	11:38:08	00:01:52	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			मिथु	02:02:54	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:28

लग्न-चलित

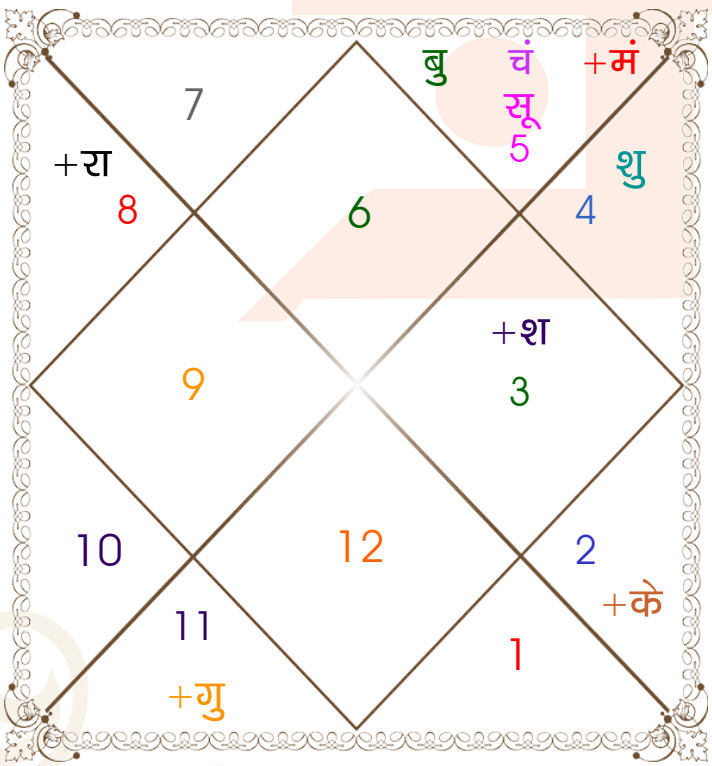

चन्द्र कुंडली

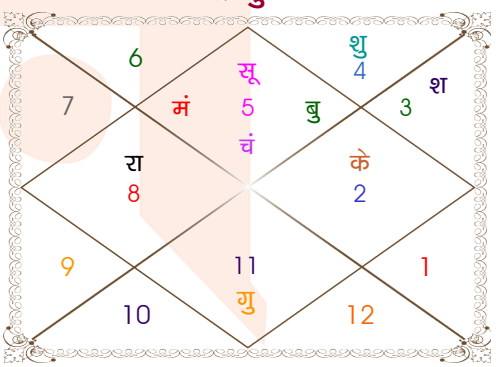

नवमांश कुंडली

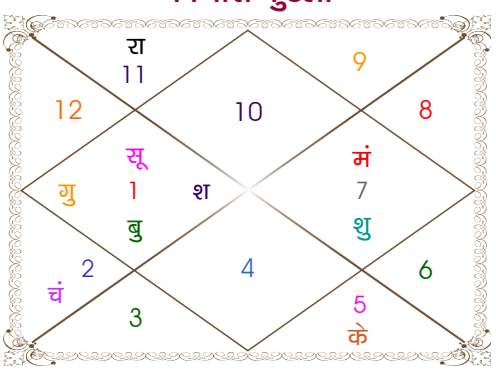

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 10 मास 28 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
18/08/1974		16/07/1978		16/07/1998		16/07/2004		16/07/2014	
16/07/1978		16/07/1998		16/07/2004		16/07/2014		16/07/2021	
	00/00/0000	शुक्र	15/11/1981	सूर्य	03/11/1998	चंद्र	16/05/2005	मंगल	12/12/2014
	00/00/0000	सूर्य	15/11/1982	चंद्र	04/05/1999	मंगल	15/12/2005	राहु	31/12/2015
	00/00/0000	चंद्र	16/07/1984	मंगल	09/09/1999	राहु	16/06/2007	गुरु	06/12/2016
	00/00/0000	मंगल	15/09/1985	राहु	03/08/2000	गुरु	15/10/2008	शनि	15/01/2018
	18/08/1974	राहु	15/09/1988	गुरु	22/05/2001	शनि	16/05/2010	बुध	12/01/2019
राहु	04/07/1975	गुरु	17/05/1991	शनि	04/05/2002	बुध	16/10/2011	केतु	10/06/2019
गुरु	09/06/1976	शनि	16/07/1994	बुध	11/03/2003	केतु	16/05/2012	शुक्र	09/08/2020
शनि	19/07/1977	बुध	16/05/1997	केतु	16/07/2003	शुक्र	15/01/2014	सूर्य	15/12/2020
बुध	16/07/1978	केतु	16/07/1998	शुक्र	16/07/2004	सूर्य	16/07/2014	चंद्र	16/07/2021

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/07/2021		16/07/2039		16/07/2055		16/07/2074		16/07/2091	
16/07/2039		16/07/2055		16/07/2074		16/07/2091		00/00/0000	
राहु	28/03/2024	गुरु	03/09/2041	शनि	19/07/2058	बुध	12/12/2076	केतु	13/12/2091
गुरु	22/08/2026	शनि	16/03/2044	बुध	28/03/2061	केतु	09/12/2077	शुक्र	11/02/2093
शनि	28/06/2029	बुध	22/06/2046	केतु	07/05/2062	शुक्र	09/10/2080	सूर्य	18/06/2093
बुध	15/01/2032	केतु	29/05/2047	शुक्र	07/07/2065	सूर्य	15/08/2081	चंद्र	18/01/2094
केतु	02/02/2033	शुक्र	27/01/2050	सूर्य	19/06/2066	चंद्र	15/01/2083	मंगल	16/06/2094
शुक्र	02/02/2036	सूर्य	15/11/2050	चंद्र	18/01/2068	मंगल	12/01/2084	राहु	18/08/2094
सूर्य	27/12/2036	चंद्र	16/03/2052	मंगल	26/02/2069	राहु	31/07/2086		00/00/0000
चंद्र	28/06/2038	मंगल	20/02/2053	राहु	03/01/2072	गुरु	05/11/2088		00/00/0000
मंगल	16/07/2039	राहु	16/07/2055	गुरु	16/07/2074	शनि	16/07/2091		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 10 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।